



Literacy for a Billion

Movie: Tare zameen par
Year: 2007

कस के जूता कसके बेल्ट
खोंस के अंदर अपनी शर्ट
मंजिल को चली सँवारी
कँधों पर जिम्मेदारी

हाथ में फाइल मन में दम
मीलों मील चलेंगे हम
हर मुश्किल से टकराएँगे
टस से मस ना होंगे हम
दुनिया का नारा जमे रहो
मंजिल का इशारा जमे रहो
दुनिया का नारा जमे रहो
मंजिल का इशारा जमे रहो

ये सोते भी है अटेंशन
आगे रहने की है टेंशन
मेहनत इनको प्यारी है
एकदम आज्ञाकारी है
आज्ञाकारी है
ये ऑमलेट पर ही जीते हैं
ये टॉनिक सारे पीते हैं
वक्त पे सोते वक्त पे खाते
तान के सीना बढ़ते जाते
दुनिया का नारा जमे रहो
मंजिल का इशारा जमे रहो
दुनिया का नारा जमे रहो
मंजिल का इशारा जमे रहो
यहाँ अलग अंदाज़ है

Song: Duniya ka nara jame raho
Lyricist: Prasoon Joshi

जैसे छिड़ता कोई साज़ है
हर काम को टाला करते हैं
ये सपने पाला करते हैं
ये हर दम सोचा करते हैं
ये खुद से पूछा करते हैं
क्यों दुनिया का नारा जमे रहो
क्यों मंजिल का इशारा जमे रहो
क्यों दुनिया का नारा जमे रहो
क्यों मंजिल का इशारा जमे रहो
ये वक्त के कभी गुलाम नहीं
इन्हें किसी बात का ध्यान नहीं
तितली से मिलने जाते हैं
ये पेड़ों से बतियाते हैं

ये हवा बँटोरा करते हैं
बारिश की बूँदें पढ़ते हैं
और आसमान के कैनवस पे
ये कलाकारिया करते हैं
दुनिया का नारा जमे रहो
मंजिल का इशारा जमे रहो
क्यों दुनिया का नारा जमे रहो
क्यों मंजिल का इशारा जमे रहो
क्यों दुनिया का नारा जमे रहो
क्यों मंजिल का इशारा जमे रहो
क्यों दुनिया का नारा जमे रहो
क्यों मंजिल का इशारा जमे रहो
क्यों दुनिया का नारा जमे रहो
क्यों मंजिल का इशारा जमे रहो

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

क्यों दुनिया का नारा जमे रहो
क्यों मंजिल का इशारा जमे रहो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.